


२२/०७/२०२१ पत्रावली सेवा (दो) अधिवक्ता (अपपहल अ.)

दिनांक १०/०७/२०२१ को अधिवक्ता श्री मोहनलाल बिश्नोई ने उप. सेवा सेवा संख्या ०३ की तरफ से बमालनामा नाम प्रार्थना-पत्र जारी सुनवाई का अवसर देने का मत जेषा किया काफिल मिललहा अधिवक्ता अपीलान्त ने बहस करते हुए निवेदन किया कि मधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्तगण को सुनवाई का समुचित अवसर दिए बिना अपीलाधीन आलोच्य सादेया कोविड-१९ के काल में पारित किया गया। माननीय न्यायालय के समक्ष अपील सेवा की गयी इसमें अपीलान्तगण द्वारा एक प्रस्ताव जेषा कर निवेदन किया कि मौक्या करी दिनांक २१/१२/२०२० के सलेग्न नबशा ए से ए इ सिमि बिंडु ए से ७ राज्य सरकार को समर्पण की इनी है तथा ए से ए बिंडु तक निष्पुल देन हेतु सहरत इ जो सल्ला दिया जाता है वो हम अपीलान्तगण को कोर्ट मापति नही है। अधिवक्ता कोषिपट्ट ने बहस करते हुए निवेदन किया कि हम पहलाराग को सल्ला की मावतपकता है अपीलान्तगण फिय सारिइ से निष्पुल सल्ला दे रहे है हम लेन को तैमाट है।


राजस्व अपील प्राधिकारी
बाडमेर


तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही गय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील में
जारी हुए

देश. दिनांक 03 के कार्यालय गाय.
दोस्त बहल करते हुए निवेदन किया
कि मैं कार्यालय पत्रकार हूँ तथा
रास्ता निकालने वाली शर्त 1/3 का
दियेबाए तब 1/3 दिनों का खेता
पुत्र प्रिया तथा पुत्री बेबा प्रिया का
हक है। जबकि मात्र 1/3 दिनों पर पुत्रवत्
गकेले द्वारा सहमति देने के अपील
का निरालाण किया जाना अनुचित हो
माननीय न्यायालय ने जहाँ के यहाँ
दुस्त प्रिया बहल पर केशव का
बादाभी कल्या का हक है तथा पक्का
घर बना हुआ है। अर्थात् न्यायालय
द्वारा निष्कर्ष राखा गया है
अतः अर्थात् न्यायालय द्वारा उम्माबि
राजे को बहल रखा जाता है व
पुत्रवत् को किसी प्रकार का कोई
नुकसान नहीं होगा।

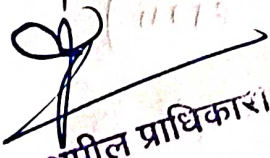
कार्यालय उलमपहा की पत्रावली पर
बहल पुत्री गरी बहल पुत्र के एवं
पत्रावली का मबलोकन करते पर
न्यायालय का निष्कर्ष है कि अपील
देश 01 द्वारा किंड संख्या 04
E जो रास्ता देना निष्पत्त उम्माबि


राजस्व अपील प्राधिकारी
बाडमेर

तारीख
हुक्म

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील में
जारी हुए

जिस उक्त खेत के मजदूरों को
दाय खसती नहीं दी जाने के अर्थ में
न्यायालय द्वारा जारी आदेश के
अनुसार किया जाना अनिवार्य
प्रतीत नहीं होता है अर्थात् न्यायालय
द्वारा अपीलार्थी द्वारा निवेदन एवं
सुनवाई के बाद किया गया है।
इस प्रकार जो खेत की मालिकाना
अधिकारों को देना एवं अपीलार्थी द्वारा
प्रस्तावित खेत पर लगान आदि
की खसती नहीं देना के अर्थ में
न्यायालय द्वारा किया गया खसती
अपीलार्थी के नही देने की नीमत साफ
जलकारी है अतः अपीलार्थी की अपील
खारिज की जाती है तथा अर्थ में
न्यायालय द्वारा दिनांक 29/06/2021
को जारी आदेश को अमान्य
रखा जाता है।


राजेश अपील प्राधिकारी
वाडमेर